भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

58 वीं वार्षिक रिपोर्ट
58th ANNUAL REPORT
2014 - 2015

CURRENT MEMBERS OF THE CORPORATION

श्री एस. के. रॉय, अध्यक्ष
Shri S. K. Roy, Chairman

श्री शक्तिकांत दास
Shri Shaktikanta Das

श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव
Smt. Snehlata Shrivastava

श्री एस. बी. मायनाक
Shri S. B. Mainak

श्री वी. के. शर्मा
Shri V. K. Sharma

श्रीमती ऊषा सांगवान
Smt. Usha Sangwan

श्री अश्वनी कुमार
Shri Ashwani Kumar

श्रीमती मंजरी कक्कड़
Smt. Manjari Kacker

श्री संजय क्लापूर
Shri Sanjay Kallapur

58वीं वार्षिक रिपोर्ट
58th Annual Report
2014-15

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

नागरिक घोषणा पत्र

हमारा कल्पना दर्शन

अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एक प्रतिस्पर्धी, विशाल वित्तीय समूह, जो विभिन्न समाजों के लिए महत्वपूर्ण हो एवं भारत का गौरव हो ।

हमारा लक्ष्य

आकांक्षा के अनुरूप उत्पाद एवं सेवाओं के माध्यम से समुचित लाभ के साथ वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सभी के जीवन स्तर को निरापद रखना एवं उन्नत करना तथा आर्थिक विकास के लिए संसाधन सुनिश्चित करना ।

हमारे मूल्य
अभिरक्षण एवं शिष्टाचार
अभिक्रम एवं नवीनता
सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता
गुणवत्ता एवं लाभ
सहभागिता एवं संबंध
विश्वसनीयता एवं भरोसा

हमारी संस्कृति
दक्षता
अनुकूलता
सहयोग
प्रतिबद्धता
अनुशासन
अधिकृत करना
संवेदनशीलता
उत्कृष्ठता

CITIZENS' CHARTER

OUR VISION

To transform ourselves into a transnationally competitive financial conglomerate of significance to societies and the Pride of India.

OUR MISSION

To ensure and enhance the quality of life of people through financial security by providing products and services of aspired attributes with competitive returns and by rendering resources for economic development.

OUR VALUES
Caring and Courtesy
Initiatives and Innovation
Integrity and Transparency
Quality and Returns
Participation and Relationship
Trustworthiness and Reliability

OUR CULTURE
Agility
Adaptability
Collaboration
Commitment
Discipline
Empowerment
Sensitivity
Excellence

विषय सूची

		पृष्ठ
1.	**आमुख**	7
2.	**निगम एवं समितियों के सदस्य**	7
3.	**आर्थिक परिवेश जीवन बीमा व्यवसाय पर समष्टि आर्थिक परिवेश का प्रभाव**	7
4.	**कार्य परिणाम :**	10
	I. **नव व्यवसाय :** व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, नॉन लिंक हेल्थ, यूनिट लिंक व्यवसाय समूह बीमा व्यवसाय, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रथम बीमा, ग्रामीण प्रयास	
	II. **विभिन्न क्षेत्रों में चालू व्यवसाय :** व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, नॉन लिंक हेल्थ, यूनिट लिंक व्यवसाय, समूह बीमा व्यवसाय	
5.	**पूंजी मोचन तथा निश्चित वार्षिकी व्यवसाय**	11
6.	**पॉलिसियों के सांविधिक विवरण**	11
7.	**संगठनजन्य ढांचा**	12
8.	**जीवन निधि, अधिशेष तथा प्रदत्त कर**	12
9.	**सामाजिक क्षेत्र :** समूह योजनाएं एवं सामाजिक सुरक्षा, निवेश और सामाजिक उत्तरदायित्व एवं एल आई सी गोल्डन ज्यूबली फाऊंडेशन	12
10.	**विपणन गतिविधियां :** विभिन्न चैनलों द्वारा 2014-15 में किया गया नव व्यवसाय, बैंकएश्योरेन्स एवं वैकल्पिक वितरण प्रणाली, प्रत्यक्ष विपणन, स्वास्थ्य बीमा, सूक्ष्म बीमा, उत्पाद विकास और वरिष्ठ व्यवसाय सहयोगी (एसबीए)	14
11.	**अभिकर्ता :** अभिकर्ताओं की संख्या, अभिकर्ता क्लब सदस्यता, वृत्तिक अभिकर्ता योजना, मुख्य जीवन बीमा सलाहकार योजना एवं प्राधिकृत अभिकर्ता	16
12.	**विदेशी प्रचालन :** विदेशी शाखाएँ, विदेशी संयुक्त कंपनी, विदेशी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी	16
13.	**ग्राहक संबंध प्रबंधन :** दावों का निपटारा, वैकल्पिक जरियों से प्रीमियम भुगतान, ग्राहकों की शिकायत का निपटारा	17
14.	**निगमित संप्रेषण**	19
15.	**सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005**	20
16.	**कार्मिक/कर्मचारी संबंध :** कर्मचारियों की संख्या, कर्मचारी संबंध, महिलाओं का सशक्तिकरण, आरक्षण, राष्ट्रीय नीति का अनुपालन, अभिकर्ताओं को आवासीय ऋण, कार्यालय सेवा, खेलकूद	21
17.	**मानव संसाधन विकास/संगठन विकास/प्रशिक्षण गतिविधियाँ**	25
18.	**प्रबन्ध विकास केन्द्र**	27
19.	**राजभाषा कार्यान्वयन**	27
20.	**अभियांत्रिकी कार्यकलाप**	27
21.	**सम्पदा/सामरिक व्यवसाय ईकाई – सम्पदा**	28
22.	**सूचना प्रौद्योगिकी**	28
23.	**आंतरिक अंकेक्षण**	29
24.	**निरीक्षण**	29
25.	**बीमालेखन एवं पुनर्बीमा**	29

26. सतर्कता 30
27. नामित निदेशक 30
28. जोखिम प्रबन्धन 30
29. कॉर्पोरेट अभिशासन 30
30. बोर्ड की बैठकें 30
31. केन्द्रीय प्रबंधन समिति 31
32. क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड 31
33. पॉलिसीधारक परिषद 31
34. जीवन बीमा निगम अधिनियम के अंतर्गत निर्देश 31
35. लेखा परीक्षक 31
36. वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए योजना 31
37. विविध गतिविधियां : 31
एलआईसी हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एलआईसीएचएफएल केयर होम्स लिमिटेड,
एलआईसी नोमुरा म्यूच्युअल फण्ड एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि., एलआईसी पेंशन फण्ड लिमिटेड,
एलआईसी काडर्स सर्विसेज लिमिटेड
38. आभार प्रदर्शन 34
परिणामों का सारांश 35
सारणी 39
परिशिष्ट - I 52
निगम एवं विभिन्न समितियों के सदस्य, निगम के वरिष्ठ प्रशासक एवं नियुक्त बीमांकक
क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं बीमाधारी परिषद के सदस्यगण
परिशिष्ट - II 63
सांविधिक (केन्द्रीय) लेखा परीक्षक
लेखा :
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 124
जीवन व्यवसाय :
वित्तीय विवरण (खण्डीय)
तुलन-पत्र : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित 128
राजस्व लेखा : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध से संबंधित (सहभागी एवं गैरसहभागी) 130
लाभ-हानि खाता : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित 134
अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत है (अनुसूचियां 1 से 15 तक) 136
वित्तीय विवरणों का सारांश 204
अनुपात 206
प्राप्ति एवं भुगतान लेखा (नकद प्रवाह विवरण) 212
पूंजी मोचन (निर्धारित सहित) बीमा व्यवसाय :
तुलन पत्र 214
राजस्व लेखा 216
लाभ हानि लेखा 218
अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत हैं (अनुसूचियां 1 से 4, 6, 8 और 11 से 13 तक) 220
प्रबंधन रिपोर्ट 230

INDEX

		Page
1.	**PREAMBLE**	65
2.	**MEMBERS OF THE CORPORATION AND VARIOUS COMMITTEES**	65
3.	**ECONOMIC SCENARIO AND MACRO ECONOMIC FACTORS THAT AFFECTED LIFE INSURANCE BUSINESS**	65
4.	**WORKING RESULTS**	68
	I. **New Business –** Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Non Linked Health, Unit Linked Business, Group Insurance Business, Social Security Schemes, First Insurance, Rural Thrust	
	II. **Business in Force in Various Segments –** Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Non Linked Health, Unit Linked Business, Group Insurance Business	
5.	**CAPITAL REDEMPTION AND ANNUITY CERTAIN BUSINESS**	69
6.	**STATUTORY STATEMENTS REGARDING POLICIES**	70
7.	**ORGANISATIONAL SET UP**	70
8.	**LIFE FUND, SURPLUS AND TAXES PAID**	70
9.	**SOCIAL SECTOR** Group Schemes and Social Security, Investment in Social Sector and LIC Golden Jubilee Foundation	70
10.	**MARKETING ACTIVITIES** New Business procured during 2014-15 Channel wise, Bancassurance & Alternate Channels, Direct Marketing, Health Insurance, Micro Insurance, Product Development and SBA.	71
11.	**AGENTS** Agency Strength, Agent's Club Membership, Career Agents Scheme, Chief Life Insurance Advisor Scheme and Authorised Agents.	73
12.	**OVERSEAS OPERATIONS –** Foreign Branches, Foreign Joint Venture Companies and Foreign Wholly Owned Subsidiary	74
13.	**CUSTOMER RELATIONSHIP MANAGEMENT** Settlement of Claims, Alternate Channels of Premium Payments and Customer's Grievances Redressal	75
14.	**CORPORATE COMMUNICATIONS**	77
15.	**RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005**	78
16.	**PERSONNEL & EMPLOYEE RELATIONS** Staff Strength, Employee Relations, Empowerment of Women, Reservation and National Policy Implementation; Housing Loan to Agents, Office Services and Sports	79
17.	**HRD / OD AND TRAINING ACTIVITIES**	82
18.	**MANAGEMENT DEVELOPMENT CENTRE**	84
19.	**OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION**	85
20.	**ENGINEERING ACTIVITIES**	85
21.	**STRATEGIC BUSINESS UNIT - ESTATES**	85
22.	**INFORMATION TECHNOLOGY**	85

23. INTERNAL AUDIT 86
24. INSPECTION 86
25. UNDERWRITING AND REINSURANCE 87
26. VIGILANCE 87
27. NOMINEE DIRECTORS 87
28. RISK MANAGEMENT 88
29. CORPORATE GOVERNANCE 88
30. BOARD MEETINGS 88
31. CENTRAL MANAGEMENT COMMITTEE 88
32. ZONAL ADVISORY BOARD (ZAB) 88
33. POLICYHOLDERS' COUNCIL (PHC) 88
34. DIRECTION AS PER LIC ACT 88
35. AUDITORS 89
36. BUSINESS PLANS FOR 2015-16 89
37. DIVERSIFIED ACTIVITIES 89
LIC Housing Finance Ltd., LIC Nomura Mutual Fund Asset Management Company Ltd., LIC Pension Fund Ltd. and LIC Cards Services Ltd.
38. ACKNOWLEDGEMENT 91
SUMMARISED RESULTS 93
TABLES 97
APPENDIX - I 110
Members of the Corporation and various Committees, Senior Executives and Appointed Actuary, Members of Zonal Advisory Boards and Policyholders' Council.
APPENDIX - II 121
Statutory (Central) Auditors of the Corporation
ACCOUNTS
Independent Auditor's Report 125
LIFE BUSINESS
Financial Statement (Segmental)
Balance Sheet-Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India 128
Revenue Account-Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India (Participating and Non Participating) 130
Profit and Loss Account- Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India 134
Schedules forming a part of the Financial Statements (Schedule 1 to 15) 136
Summary of Financial Statements 204
Ratios 206
Receipt and Payment Account (Cash Flow Statement) 212
CAPITAL REDEMPTION (INCLUDING ANNUITY CERTAIN) INSURANCE BUSINESS
Balance Sheet 214
Revenue Account 216
Profit & Loss Account 218
Schedules forming part of the Financial Statements (Schedules 1 to 4, 6, 8 & 11 to 13) 220
Management Report 231

1. आमुख

भारतीय जीवन बीमा निगम को 31-03-2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 की धारा 27 के अन्तर्गत अपनी 58वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में हर्ष हो रहा है ।

2. निगम एवं समितियों के सदस्य

निगम के सदस्यों तथा वर्ष के दौरान इसकी विभिन्न समितियों के सदस्यों के नाम, निगम के वरिष्ठ प्रशासक, नियुक्त बीमांकक, क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं पालिसीधारक परिषद के नाम परिशिष्ट में हैं । (पृष्ठ संख्या 52 से 62 तक)

3. आर्थिक परिवेश और जीवन बीमा व्यवसाय पर समष्टि आर्थिक परिवेश का प्रभाव

वर्ष 2014-15 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने बृहत् आर्थिक मोर्चे पर अनेक चुनौतियों का सामना किया जिनमें आर्थिक मंदी, लगातार मुद्रास्फीति, राजकोषीय घाटे में वृद्धि, घटती हुई घरेलू मांग, बाह्य लेखा असंतुलन एवं रुपए का अवमूल्यन शामिल है ।

वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में कमी, सरकार द्वारा की गई सुधार संबंधी पहलों के प्रभाव, विश्व अर्थव्यवस्थाओं की सामंजस्यकारी नीतियों तथा राजकोषीय प्रबंधन की प्रतिबद्धता ने विकास में मंदी को समाप्त करने में अर्थव्यवस्था की मदद की और अर्थव्यवस्था को सुधार की राह पर अग्रसर किया । नवीनतम बृहत आर्थिक प्रसंकेतक भी इसी तथ्य का समर्थन करते हैं कि अर्थव्यवस्था में फिर से विकास (वृद्धि) शुरू हो गयी है । इसके फलस्वरूप भारत को सर्वाधिक आकर्षक निवेश स्थलों में स्थान प्राप्त हुआ है ।

केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन के राष्ट्रीय आय संबंधी परिशोधित आंकलन के अनुसार वर्ष 2014-15 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है । वर्ष 2014-15 में कच्चे तेल एवं अन्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के फलस्वरूप चालू खाता घाटा (सी.ए.डी.) कम होकर सकल घरेलू उत्पाद के 1.3 प्रतिशत तक नीचे आया है । वर्ष 2013 के उत्तरार्ध से ही खुदरा मुद्रास्फीति में 6 प्रतिशत की कमी आई । वर्ष के दौरान 36.6 बिलियन डॉलर के शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी पूंजी निवेश तथा 41 बिलियन डॉलर के शुद्ध विदेशी पोर्टफोलियो अंतः प्रवाह के फलस्वरूप रुपए को स्थिरता प्राप्त हुई और दीर्घावधि ब्याज दरों पर अधोमुखी दबाव डाला है ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक के अनुसार वर्ष 2015 एवं उसके बाद भारत में विकास चीन के मुकाबले बेहतर होगा और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की सबसे तेजी से विकासशील अर्थव्यवस्था हो जाएगी ।

क) सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.)

केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन ने नई जीडीपी श्रृंखला जारी की है जिसमें आधार वर्ष को 2004-05 से बदलकर 2011-12 किया गया है और उसमें अधिक डाटा एवं उन्नत पद्धतियों का समावेश है । डाटा एवं पद्धतियों में यह सुधार भारत को जीडीपी आंकलन के अंतरराष्ट्रीय मानकों के समतुल्य बनाता है ।

नई जीडीपी श्रृंखला के अनुसार वर्ष 2014-15 में जीडीपी का अनंतिम आंकलन (2011-12 की कीमतों पर) ₹ 1,06,43,983 करोड़ आंका गया है जो पिछले वित्तीय वर्ष की 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर के मुकाबले 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है । इसका मुख्य कारण सरकारी एवं निजी खपत में वृद्धि तथा सेवा एवं उद्योग क्षेत्र का बेहतर निष्पादन रहा है ।

कृषि, वानिकी एवं मत्स्य उद्योग क्षेत्र में विकास 0.2 प्रतिशत आंका गया है जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह दर 3.7 प्रतिशत थी । उद्योग क्षेत्र में 6.1 प्रतिशत की दर से विकास करने का अनुमान है जबकि वर्ष 2013-14 में यह विकास दर 4.5 प्रतिशत रही । सेवा क्षेत्र में विकास दर 9.1 प्रतिशत के मुकाबले 10.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है । औद्योगिक उत्पादन के सामान्य सूचकांक में 2013-14 के 0.1 प्रतिशत नकारात्मक विकास की तुलना में 2.8 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि देखी गई ।

व्यय पर नजर डालें तो निजी खपत में विगत वर्षों के दौरान जीडीपी की प्रतिशतता गिरावट के रूप में 57.5 प्रतिशत से 57.0 प्रतिशत हुई है । वहीं जीडीपी की प्रतिशतता के रूप में सरकारी खपत पिछले वर्ष की तुलना में 10.9 प्रतिशत पर बनी हुई है । पिछले वित्तीय वर्ष में सकल नियत पूंजी निर्माण भी स्थिर कीमतों पर 30.7 प्रतिशत से गिरकर जीडीपी का 30 प्रतिशत रह गया ।

ख) सकल घरेलू बचत (जी.डी.एस.)

बाजार मूल्य पर सकल घरेलू बचत का ब्यौरा जीडीपी के प्रतिशत के रूप में नीचे दिया गया है -

जीडीपी के प्रतिशत के रूप में क्षेत्रवार घरेलू बचत

वर्ष	घरेलू क्षेत्र (हाउसहोल्ड सेक्टर)			निजी कारपोरेट क्षेत्र	सार्वजनिक क्षेत्र	सकल घरेलू बचत
	वित्तीय बचतें	भौतिक बचतें	कुल			
2013-14	7.2%	11.0%	18.2%	10.9%	1.6%	30.7%
2012-13	7.0%	13.2%	20.2%	10.0%	1.7%	31.9%

ग) राजकोषीय स्थिति

जीडीपी के प्रतिशत के रूप में राजकोषीय घाटे को नीचे दी गई सारणी में दर्शाया गया है -

	केंद्र एवं राज्य (संयुक्त)	केवल केंद्र
2015-16 बीई	अनुपलब्ध	3.9%
2014-15 बीई	6.4%	4.1%
2013-14 पीए	6.9%	4.5%
2012-13	7.4%	4.8%

बीई – बजट अनुमान, पीए – अनंतिम लेखा

वर्ष 2014-15 में केंद्र सरकार के कर राजस्व के परिशोधित आंकलन में 11.35 प्रतिशत की वृद्धि होकर यह ₹ 9,085 बिलियन हो गया जबकि गैर कर राजस्व में 9.53 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह ₹ 2,178 बिलियन हो गया। केंद्र सरकार के सकल राजस्व में 11 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह ₹ 11,263 बिलियन होने का अनुमान है।

घ) मौद्रिक दशा

रिजर्व बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा। जनवरी 2015 से सक्रिय तरलता प्रबंधन के माध्यम से सहज तरलता सुनिश्चित करने के लिए मौद्रिक रुख उदार नीतियों की ओर शिफ्ट किया जिनमें सप्ताह के दिनों में फाइन ट्यूनिंग प्रचालन, सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) का उपयोग और शनिवार को निर्धारित दर पर रिवर्स रेपो भी शामिल है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 15 जनवरी 2015 एवं 4 मार्च 2015 को 0.25 प्रतिशत की दो बार कभी लाकर के रेपो दर को 8 प्रतिशत से घटाकर 7.50 प्रतिशत तक किया है। बैंक दर में भी दो बार कमी करके उसे 9 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत किया गया। तथापि एसएलआर तीन चरणों में 23 प्रतिशत से घटाकर 21.5 प्रतिशत किया गया। इस वित्तीय वर्ष में भारतीय रिजर्व बैंक ने सीआरआर को नहीं छुआ जो 4 प्रतिशत पर बना रहा।

च) मुद्रास्फीति

फरवरी 2015 में भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने कीमतों में स्थिरता के उद्देश्य से एक मौद्रिक नीति ढांचा करार किया है। इस करार के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा यथामापित मुद्रास्फीति को जनवरी 16 तक 6 प्रतिशत से नीचे तथा 2017-18 तक 4 प्रतिशत के नीचे लाने का लक्ष्य है। खुदरा मुद्रास्फीति पिछले 1 वर्ष के मुकाबले वर्ष 2014-15 में कम हुई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक – संयुक्त द्वारा यथामापित मुद्रास्फीति 4.30 प्रतिशत (नवम्बर 2014) से लेकर 8.59 प्रतिशत (अप्रैल 2014) के रेंज में रहा। तथापि वर्ष के दौरान थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति -2.33 प्रतिशत से 6.18 प्रतिशत के रेंज में रहा। वर्ष 2014-15 का औसत मासिक थोक मूल्य सूचकांक प्राथमिक वस्तुओं में 3.08 प्रतिशत वृद्धि, ईंधन एवं विद्युत में -0.67 प्रतिशत एवं विनिर्मित उत्पादों में 2.43 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2.05 प्रतिशत रहा।

वार्षिक आधार पर, थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर मुद्रास्फीति 2013-14 के 5.98 प्रतिशत से गिरकर वर्ष 2014-15 में 2.01 प्रतिशत हो गयी।

छ) प्रतिभूति एवं ऋण बाजार

अप्रैल 2014 से मार्च 2015 के दौरान कॉल मनी दरों का मासिक भारित औसत 0.25 प्रतिशत से 25.0 प्रतिशत के बीच था। पिछले वर्ष 2013-14 के 8.28 प्रतिशत के मुकाबले इस वर्ष के भारित मासिक दरों का औसत 7.97 प्रतिशत था।

वर्ष के दौरान प्रतिभूति बाजार पूंजीकरण में वृद्धि का रुझान रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में अप्रैल 2014 के प्रारंभ में बाजार पूंजीकरण ₹ 74,35,717 करोड़ जो इस वर्ष का सबसे निम्नतम स्तर भी था, बढ़कर मार्च 2015 के अंत तक ₹ 1,01,49,290 करोड़ तक पहुंच गया। 3 मार्च 2015 को यह बाजार पूंजीकरण ₹ 1,06,27,765 करोड़ के साथ सर्वोच्च स्तर पर था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में बजार पूंजीकरण अप्रैल 2014 में ₹ 72,94,387 करोड़ था जो बढ़कर मार्च 2015 में ₹ 1,03,75,663 करोड़ हो गया।

गैर सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वरा नए पूंजी इशूज की संख्या 53 से बढ़कर 64 हो गई। इनके द्वारा जुटाई गई धनराशि भी बढ़कर 9.789 करोड़ रुपए तक पहुंच गई जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह राशि ₹ 5,812 करोड़ थी। वर्ष के दौरान म्यूचुअल फंड का शुद्ध अंतर्वाह ₹ 1,03,288 करोड़ था। 31 दिसम्बर 2014 तक प्राथमिक बाजार द्वारा जुटाए गए संसाधन ₹ 2,27,398 करोड़ से बढ़कर ₹ 2,80,885 करोड़ हो गए।

ज) वैश्विक परिदृश्य

वर्ष 2014 में वैश्विक वृद्धि 3.4 प्रतिशत पर स्थिर रही जो अलग-अलग देशों एवं इलाकों में अलग-अलग थी। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में पिछले वर्ष के मुकाबले वृद्धि में तेजी देखी गई जबकि उदीयमान बाजारों एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में मंदी कर दौरा रहा। मंदी के बावजूद उदीयमान बाजारों एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का वर्ष 2014 में वैश्विक गतिविधियों में तीन चौथाई योगदान रहा।